प्रश्न 5. पूँजी बाजार तथा मुद्रा बाजार के बीच अन्तर करें।

उत्तर—

पूँजी बाजार तथा मुद्रा बाजार में अन्तर
(Distinction between Capital Market and Money Market)

क्र.सं. (S.No.)	अन्तर का आधार (Basis of Difference)	पूँजी बाजार (Capital Market)	मुद्रा बाजार (Money Market)
1.	**अर्थ** (Meaning)	पूँजी बाजार के अन्तर्गत उन सभी संस्थाओं, संगठनों एवं प्रपत्रों को शामिल किया जाता है जो दीर्घकालीन कोषों में व्यवहार करते हैं।	मुद्रा बाजार के अन्तर्गत उन सभी संगठनों, प्रपत्रों एवं व्यवस्थाओं को शामिल किया जाता है जो अल्पकालीन कोषों में व्यवहार करते हैं।
2.	**अवधि** (Duration)	पूँजी बाजार में एक वर्ष से अधिक की अवधि के कोषों में व्यवहार किया जाता है।	मुद्रा बाजार में एक दिन से लेकर एक वर्ष तक की अवधि के कोषों में व्यवहार किया जाता है।
3.	**अंग** (Component)	पूँजी बाजार के प्रमुख अंग हैं—समता अंश, पूर्वाधिकारी अंश, ऋण-पत्र, बॉण्ड्स आदि।	मुद्रा बाजार के प्रमुख अंग हैं—याचना राशि, कोषागार विपत्र, व्यापारिक विपत्र, वाणिज्यिक पत्र, जमा प्रमाण-पत्र आदि।
4.	**उद्देश्य** (Objective)	पूँजी बाजार स्थायी एवं दीर्घकालीन वित्तीय आवश्यकताओं की पूर्ति करता है, जैसे—उपक्रम की स्थापना, विस्तार, आधुनिकीकरण आदि।	मुद्रा बाजार अल्पकालीन एवं कार्यशील पूँजी की आवश्यकताओं को पूरा करता है।

Scanned with CamScanner

प्रश्न 4. रेपो और रक्षित (रिजर्व) रेपो क्या है?

उत्तर—रेपो (Repo)—रेपो पूँजी बाजार की एक ऐसी योजना है जो अल्प अवधि के लिए ऋण उपलब्ध कराती है। तथा इस ऋण प्रक्रिया में वह क्रय/विक्रय करके ऋण जुटाती हैं और उपलब्ध कराती है। रेपो लेन-देन के अन्तर्गत, प्रतिभूतिकर्ता, निवेशकर्ता को एक सहमति के तहत पहले से निश्चित तिथि तथा निश्चित दर से प्रतिभूतियों को बेचा जाता है। रेपो के अंतर्गत, बांड की पहले से तय कीमतें तथा बेचने के समय जो कीमतें हैं उनके अन्तर को रेपो ब्याज तथा प्रतिभूतियों पर जो लाभ है उसमें समायोजित किया जाता है। रेपो को पहले से तैयार लेन-देन भी कहा जाता है।

रिजर्व रेपो (Reserve Repo)—रिजर्व रेपो, रेपो की तरह ही है। इसमें प्रतिभूतियों को पुनविक्रय के लिए खरीदा जाता है। लेकिन प्रतिभूतियों में अनिरन्तरता होने के कारण, रेपो को केन्द्रीय सरकार ही मान्यता देती थी। कुछ खजाना बिलों को बदल कर खजाना बिल तथा डेटड प्रतिभूतियों को निगमित किया जाता है।

Scanned with CamScanner

प्रश्न 7. सेबी (SEBI) के क्या उद्देश्य हैं?

[Bihar Model Paper, 2009]

उत्तर—सेबी (SEBI) के मुख्य उद्देश्य निम्नलिखित हैं—

(i) निवेशकों के अभाव में पूँजी बाजार अर्थहीन है। अतः सेबी (SEBI) का प्रथम उद्देश्य निवेशकों को सुरक्षा प्रदान करना है।

(ii) सेबी (SEBI) का दूसरा उद्देश्य जनता की बचतों को लगातार पूँजी की ओर आकर्षित करना है।

(iii) पूँजी बाजार पर नियन्त्रण करने के लिए दलालों तथा अन्य मध्यस्थों एवं क्रियाओं पर नजर रखना जरूरी है इसलिए सेबी (SEBI) की स्थापना जरूरी थी।

प्रश्न 8. नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (NSE) के क्या उद्देश्य हैं?

उत्तर—नेशनल स्टॉक एक्सचेंज की स्थापना निम्नलिखित उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए की गई थी—

(i) राष्ट्रीय स्कन्ध विपणि संचार नेटवर्क के माध्यम से देश भर में निवेशकों को एक समान रूप सें निवेश सुविधाएँ सुनिश्चित करना।

(ii) राष्ट्रीय स्कन्ध विपणि निवेशकों की संख्या में पिछले दशक में हुई वृद्धि को, जिसे पुरानी पद्धति से सौदों को निपटाना कठिन हो रहा था, निपटाने में सक्षम करना।

प्रश्न 9. ओ. टी. सी. ई. आई. (OTCEI) क्या है?

उत्तर—ओ. टी. सी. ई. आई. (OTCEI) परंपरागत स्टॉक एक्सचेंज से भिन्न एक ऐसी विशेष स्थान रहित तथा पूर्णतः कम्प्यूटरीकृत स्टॉक एक्सचेंज है जिस पर प्रतिभूतियों का क्रय-विक्रय पूर्णतः पारदर्शिता तथा अधिक गति से होता है। इसके काउंटर कार्यालय पूरें देश में फैले हुए हैं जिन पर उपग्रह तथा टेलीफोन के माध्यम से सौदे होते हैं।

Scanned with CamScanner

प्रश्न 4. सेबी (SEBI) के प्रकार्यों एवं उद्देश्यों की व्याख्या करें।

उत्तर—सेबी (SEBI) के तीन प्रकार के कार्य हैं—

(1) सुरक्षात्मक (2) विकासपूर्ण और (3) नियमनकर्ता

(1) **सुरक्षात्मक कार्य**—

(i) SEBI प्रतिभूति बाजार में धोखाधड़ी एवं अनुचित कार्यों पर प्रतिबन्ध लगाता है।

(ii) SEBI ने शेयरों के आन्तरिक व्यापार पर रोक लगा रखी है।

(iii) SEBI निवेशकों को शिक्षित करने के लिए कदम बढ़ाता है।

(2) **विकासपूर्ण कार्य** (Developmental functions)

(i) SEBI प्रतिभूति बाजार के मध्यस्थों के प्रशिक्षण में प्रोत्साहन देता है।

Scanned with CamScanner

(ii) SEBI प्रतिभूति बाजार में मध्यस्थों के प्रशिक्षण का प्रवर्त्तन करता है। जैसे इंटरनेट व्यापार की छूट, स्टॉक एक्सचेंज आदि।

(3) **नियामक कार्य** (Regulatory Functions)—

(i) SEBI के स्कन्ध विपणियों में कार्य करने वाले मध्यस्थों के लिए निश्चित नियम एवं आचरण संहिता तैयार की है।

(ii) SEBI को यह अधिकार भी प्राप्त है कि वह किसी भी स्कन्ध विपणि के सम्बन्ध में आवश्यक जाँच कराने तथा उनके खातों का अंकेक्षण कराने का आदेश दे सकता है।

EBI के उद्देश्य (Objectives of SEBI)

SEBI के उद्देश्यों को दो भागों में व्यक्त किया गया है—

(1) **प्राथमिक उद्देश्य** (Primary objectives)—

(i) प्रतिभूतियों में निवेशकों के हितों की सुरक्षा करना।

(ii) प्रतिभूति बाजार के विकास का संवर्द्धन करना।

(iii) प्रतिभूति बाजार का नियमन करना।

(2) **सहायक/गौण उद्देश्य** (Secondary objectives)—

(i) दलालों तथा अन्य मध्यस्थों की क्रियाओं पर नजर रखना।

(ii) प्रतिभूतियों को निर्गमित करने वाली कम्पनियों द्वारा निष्पक्ष व्यवहारों को प्रोत्साहित करना।

(iii) पूँजी बाजार में जनता की बचतों का नियमित प्रवाह बनाए रखना।

Scanned with CamScanner

1. प्राथमिक एवं द्वितीयक बाजार—
   (क) एक-दूसरे से प्रतिस्पर्धा करते हैं।
   (ख) एक-दूसरे को सहयोग देते (संपूरक) हैं।
   (ग) स्वतंत्र रूप से कार्य करते हैं।
   (घ) एक-दूसरे को नियंत्रित करते हैं।
2. भारत में कुल स्टॉक एक्सचेंज (शेयर बाजारों) की संख्या है—
   (क) 20 (ख) 21
   (ग) 22 (घ) 23
3. राष्ट्रीय शेयर बाजार (NSE) का निपटान (उधार चुकता) चक्र है—
   (क) टी + 5 (ख) टी + 3
   (ग) टी + 2 (घ) टी + 1
4. भारतीय राष्ट्रीय शेयर बाजार (NSE) को स्टॉक एक्सचेंज (शेयर बाजार) के रूप में मान्यता किस वर्ष में मिली थी ?
   (क) 1992 (ख) 1993
   (ग) 1994 (घ) 1955

Scanned with CamScanner

5. एन. एस. ई. (NSE) के भावी व्यापार की शुरूआत किस वर्ष में हुई ?
(क) 1999 (ख) 2000
(ग) 2001 (घ) 2002

6. एन. एस. ई. (NSE) के क्लियरिंग एवं निपटारा क्रियाकलाप किसके द्वारा वहन किए जाते हैं ?
(क) एन. एस. डी. एल (ख) एन. एस. वाई. ई.
(ग) एस. बी. आई. (घ) सी. डी. एल. एल.

7. ओ. टी. सी. ई. आई (OTCEI) का प्रारम्भ किसकी तर्ज पर हुआ था ?
(क) नैसडेक
(ख) एन. एस. वाई. ई.
(ग) नासाक
(घ) एन. एस. ई.

8. ओ. टी. सी. ई. आई. (OTCEI) में सूचीबद्ध होने के लिए कितनी न्यूनतम पूँजी की आवश्यकता होती है ?
(क) 5 करोड़ रुपए (ख) 3 करोड़ रुपए
(ग) 6 करोड़ रुपए (घ) 1 करोड़ रुपए

9. राजकोष बिल मूलतः होते हैं—
(क) अल्प कालिक फण्ड उधार के प्रपत्र
(ख) दीर्घ कालिक फंड उधार के प्रपत्र
(ग) पूँजी बाजार के एक प्रपत्र
(घ) उपर्युक्त कुछ भी नहीं

10. रेपो (REPO) है—
(क) पुनर्खरीद समझौता (विलेख)
(ख) रिलायंस पेट्रोलियम
(ग) रीड एण्ड प्रोसेस (पढ़ो और प्रक्रम करो)
(घ) उपर्युक्त कुछ भी नहीं

[उत्तर—1. (ग), 2. (घ), 3. (क), 4. (ख), 5. (ख), 6. (क), 7. (क), 8. (ख), 9. (क), 10. (क)।]

Scanned with CamScanner